ब्लैक फंगस को लेकर सरकार ने जारी की

एडवाइजरी

इसे ज़्यादा से ज़्यादा शेयर करें

और ज़रूरतमंद तक पहुचाएँ





सरकार ने ब्लैक फंगस को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। इसमें कहा कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण के उपरान्त ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस चेहरे नाक, साइनस, आंख और दिमाग में फैलकर उसको नष्ट कर देती है।

कोविड के बाद ब्लैक फंग्रस यानि STURE

म्यूकरमाइकोसिस ने पूरे देश में पैर

पसारने शुरू कर दिए हैं।





किसे हो सकता है?

1- कोविड के दौरान स्टेरॉयड दवा दी गयी हो-डेक्सामिथाजोन, मिथाइल प्रेडनिसोलोन इत्यादि

2- कोविड मरीज को ऑक्सीजन पर

रखना पड़ा हो या आईसीयू में रखना पड़ा हो.

3- डायबिटीज का अच्छा नियंत्रण ना हो.

4- कैंसर, किडनी ट्रांसप्लांट इत्यादि

के लिए दवा चल रही हो.





क्या है लक्षण?

4- चेहरे में एक तरफ दर्द हो, सूजन हो या सुन्न हो (छूने पर छूने का अहसास ना हो)।

5- दांत में दर्द हो, दांत हिलने लगें,

चबाने में दर्द हो।

6- उल्टी में या खांसने पर बलगम

में खून आये।





क्या करें?

उपर्युक्त में से कोई भी लक्षण होने पर तत्काल सरकारी अस्पताल में या किसी अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाएं. नाक कान गले, आंख, मेडिसिन, चेस्ट या प्लास्टिक सर्जरी

विशेषज्ञ से तुरंत दिखाएं और

लग कर इलाज शुरू करें।





सावधानियां

1- स्वयं या किसी गैर विशेषज्ञ डॉक्टर के, दोस्त मित्र या रिश्तेदार के कहने पर स्टेरॉयड दवा कतई शुरू ना करें. स्टेरॉयड दवाएं जैसे - डेक्सोना, मेड्रोल इत्यादि।

2- स्टेरॉयड का प्रयोग विशेषज्ञ डॉक्टर कुछ ही

मरीजों को केवल 5-10 दिनों के लिए देते हैं,

वो भी बीमारी शुरु होने के 5-7 दिनों

बाद। केवल गंभीर मरीजों को

इसके पहले बहुत सी जांच

आवश्यक है।





सावधानियां

3. लक्षण के पहले 5 से 7 दिनों में स्टेरॉयड देने से दुष्परिणाम होते हैं। बीमारी शुरू होते ही स्टेरॉयड शुरू ना करें। इससे बीमारी बढ़ जाती है।

4. इलाज शुरू होने पर डॉक्टर से पूछें कि इन

दवाओं में स्टेरॉयड तो नहीं है। अगर है, तो ये दवाएं मुझे क्यों दी जा रही हैं? स्टेरॉयड शुरू होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर के नियमित संपर्क में रहें।





इस जानकारी को खुद तक न रखें।

इसे अपने सभी परिवार और दोस्तों और सभी के साथ शेयर करे।

आपको नहीं पता कि इस जानकारी को शेयर करके आप कितनी जान बचा रहे हैं।

इसे शेयर करें और लोगों की मदद करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को जानकारी हो सके एवं ब्लैक फंगस से बचाव हो।



